हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

पाठ्यक्रम
स्नातक प्रथम वर्ष परीक्षा वर्ष 2012
प्रथम प्रश्न पत्र – निबन्ध, नाटक तथा नवीन गद्य विधाएँ – कुल अंक 100
प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होगें
(क) 03 व्याख्या = 10 X 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 X 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 X 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – (1) नाटक – ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
(2) निबन्ध – साहित्य के दृष्टिकोण
सम्पादक – प्रो. चित्तरंजन मिश्र
– डॉ. दीपक प्रकाश त्यागी
(3) एकांकी – रंगसप्तक – स. प्रो. पूर्णिमा सत्यदेव, प्रो. रामदरश राय

द्रुत पाठ – लघु गद्य विधाएं – सं. गद्य विविध – सं. डॉ. कमलेश कुमार गुप्त,
– डॉ. प्रेमशीला शुक्ल
नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

सहायक ग्रन्थ–
1. हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार, डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
2. हिन्दी की गद्य विधाएं, बैजनाथ सिंघल, हरियाणा साहित्य अकादमी,
3. प्रसाद के नाटक, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. हिन्दी का गद्य साहित्य, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य – कुल अंक 100
(क) 03 व्याख्या = 10 X 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 X 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 X 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – काव्य–शिखर – सं. प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, प्रो. गणेश प्रसाद पाण्डेय

द्रुत पाठ – काव्य किसलय – सं. प्रो. मंजु त्रिपाठी, डॉ. प्रभा सिंह
नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

सहायक ग्रन्थ–
1. साकेत : एक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. छायावाद, डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी के प्रतिनिधि आधुनिक कवि, डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
5. क्रांतिकारी कवि निराला, डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. निराला, डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली,
7. निराला, डॉ. रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रसाद का काव्य, डॉ. प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. पन्त सहचर, सम्पा. अशोक वाजपेयी और अपूर्वानन्द, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
11. युगचारण दिनकर, सम्पा. डॉ. सावित्री सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. सुमित्रानंदन पंत, कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

स्नातक द्वितीय वर्ष परीक्षा वर्ष 2013
प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी कथा साहित्य – कुल अंक 100
(क) 03 व्याख्या = 10 X 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 X 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 X 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – उपन्यास – कर्मभूमि (प्रेमचन्द)
मानस का हंस (अमृतलाल नागर) – संक्षिप्त संस्करण
कथास्वर – सं. प्रो. सुरेन्द्र दुबे, प्रो. अनिल कुमार राय

द्रुत पाठ – सात कहानियां – सं. डॉ. विमलेश मिश्र, डॉ. रामनरेश दुबे
नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

सहायक ग्रन्थ–

1. प्रेमचन्द और उनका युग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
2. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द, डॉ. महेन्द्र भटनागर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. प्रेमचन्द पुनर्मूल्यांकन, डॉ. शम्भूनाथ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. अमृतलाल नागर के उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. नागेशराम त्रिपाठी, वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर
5. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास और निबन्ध लेखन – कुल अंक 100

(क) 01 निबन्ध = 1 X 30 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (इतिहास से) = 3 X 20 = 60
(ग) 02 टिप्पणी (इतिहास से) = 2 X 5 = 10
नोट – निबन्ध साहित्यिक विषय से सम्बन्धित होगें। निबन्ध और टिप्पणी से सम्बन्धित प्रश्न अनिवार्य होगें।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियन्ट ब्लैकस्वान प्रा.लि., दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. मानक निबन्ध, डॉ. रामदरश राय, चतुर्व्यूह प्रकाशन, गोरखपुर
6. हिन्दी निबन्ध, डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा वर्ष 2014
प्रथम प्रश्न पत्र – मध्ययुगीन कविता – कुल अंक 100

(क) 03 व्याख्या = 10 X 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 X 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 X 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – मध्यकालीन काव्य, सं. डॉ. प्रेमव्रत तिवारी, डॉ. रामनरेश मिश्र

द्रुत पाठ – मध्यकालीन काव्य विविधा सं. – प्रो. जनार्दन
– डॉ. मानवेन्द्र मिश्र
नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
2. मध्ययुगीन काव्यसाधना, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी की मध्यकालीन कविता, सम्पा. डॉ. सत्यप्रकाश, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा
4. प्राचीन कवि, डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना – कुल अंक 100

इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होगें। अंक विभाजन इस प्रकार है–

(क) भारतीय काव्य शास्त्र = 2 X 20 = 40
(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र = 2 X 20 = 40
(ग) हिन्दी आलोचना = 1 X 20 = 20

पाठ्यक्रम–

(क) भारतीय काव्यशास्त्र – काव्य का स्वरूप; प्रयोजन एवं भेद; रस–स्वरूप, अवयव, भेद; अलंकार का स्वरूप, महत्व; काव्य–गुण; काव्य दोष–शब्द दोष (क्लिष्टत्व, च्युत संस्कृति), पद दोष–(न्यून पदत्व, अधिक पदत्व), अर्थ दोष, (संदिग्धत्व, दुष्क्रमत्व, दूरान्वय), रस दोष; शब्द शक्तियाँ।

(ख) पाश्चायत्य काव्यशास्त्र– अनुकृति सिद्धान्त, शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, रूपवाद, नयी समीक्षा, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फैंटेसी।
(ग) हिन्दी आलोचना – आलोचना का स्वरूप और परिभाषा, आलोचक के गुण, आलोचना की पद्धतियाँ, हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचना–आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

सहायक ग्रन्थ–

1. काव्यशास्त्र, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय काव्यशास्त्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ. जगदीश प्रजापति, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. आलोचक का दायित्व, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

तृतीय प्रश्न पत्र – हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी– कुल अंक 100
इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होगें। अंक विभाजन इस प्रकार है–

(क) हिन्दी भाषा	= 2 X 20 = 40
(ख) देवनागरी लिपि	= 1 X 20 = 20
(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी	= 2 X 20 = 20

(क) हिन्दी भाषा – हिन्दी का उद्भव और विकास – हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, उसका अर्थ विकास, हिन्दी भाषा का विकास, भाषा और बोली – हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी के साहित्यिक रूप, हिन्दी शब्द समूह और उसके मूल स्रोत।
हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिन्दी भाषा की सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका।
(ख) देवनागरी लिपि – नामकरण, उद्भव और विकास, वैज्ञानिकता, त्रुटियाँ और सुधार के प्रयत्न।
(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय।
पत्राचार – कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र और व्यावहारिक पत्र।
पत्रकारिता – पत्रकारिता का स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य, समाचार लेखन और शीर्षकीकरण।
प्रमुख जनसंचार माध्यम – प्रेस, रेडिया, टी.वी. एवं फिल्म का संक्षिप्त परिचय एवं जनसंचार में इनकी भूमिका।
अनुवाद – स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयी अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, डॉ. सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा, डॉ. रामदरश राय, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद
3. अच्छी हिन्दी, रामचन्द्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी भाषा, डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन इलाहाबाद
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी, मुश्ताक अली, संगम प्रकाशन, इलाहाबाद
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. सर्वेश पाण्डेय, देवश्री प्रकाशन, मऊ
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कैलाश नाथ पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. रामकिशोर, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहाबाद
10. भाषाविज्ञान रसायन, कैलाश नाथ पाण्डेय, गाजीपुर साहित्य संसद, गाजीपुर